International Journal of Scientific Research in Science and Technology
Print ISSN: 2395-6011 | Online ISSN: 2395-602X (www.ijsrst.com)

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों में पर्यावरणीय अभिवृत्ति का अध्ययन

रुपाली मुखर्जी
शोधार्थी (शिक्षा विभाग), कलिंगा विश्वविद्यालय रायपुर (छत्तीसगढ़)

Article Info
Volume 8, Issue 6
Page Number : 537-543

Publication Issue
November-December-2021

Article History
Accepted : 15 Dec 2021
Published : 30 Dec 2021

सारांश:

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति का अध्ययन इस शोध का विषय है ।

इस अध्ययन में रायपुर जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में संचालित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 11 वीं तथा 12 वीं में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को चुना गया ।जिसमें समान संख्या में छात्र (300) और छात्राओं (300) को चुना गया । इन विद्यार्थियों का चयन रायपुर जिले में संचालित 10 शालाओं से किया गया । चयनित विद्यार्थियों पर हसीन ताज की Environmental Attitude Scale को प्रशासित किया गया । विद्यार्थियों द्वारा हसीन ताज की Environmental Attitude Scale पर दी गयी प्रतिक्रियाओं को मूल्यांकित किया गया एवं इन्हें अध्ययन में बनाये गये समूहों के अनुरूप सारणी में रखा गया ।

निष्कर्ष के रूप में पाया गया है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बहुसंख्य विद्यार्थियों में पर्यावरणीय अभिवृत्ति उच्च स्तर की है तथा लिंग का प्रभाव उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति पर नहीं पड़ता है ।

प्रस्तावना :-

कोई भी जीव कभी अकेला नहीं रहता बल्कि उसके चारों ओर अनेक प्रकार की अजैविक (निर्जीव व मृत) तथा जैविक वस्तुएं या परिस्थितियां उपस्थिति रहती है और ये सभी एक दूसरे को प्रभावित करती रहती है। जीवों के आसपास की

Copyright: © the author(s), publisher and licensee Technoscience Academy. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution Non-Commercial License, which permits unrestricted non-commercial use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited

वे समस्त जैविक तथा अजैविक परिस्थितियां जैसे-मृदा, ताप, वायु, जन्तु, पौधे आदि जो कि उन्हें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है। संयुक्त रूप से पर्यावरण या वातावरण कहलाती है।

जीव व पर्यावरण में बहुत ही घनिष्ठ संबंध होता है और ये दोनों एक दूसरे को प्रभावित तथा नियंत्रित करते हैं। मानव और पर्यावरण का घनिष्ट संबंध है। जीवन को सुख समृद्धिपूर्ण बनाने के लिए मनुष्य अनेक प्रकार की अभिक्रियायें करता है जो प्रकृति के प्रांगण में पूर्ण होती है। प्रकृति पर्यावरणीय तत्वों से बनी है।

अतः मानव को पर्यावरणीय तत्वों का ज्ञान आवश्यक है तथा उसकी सुरक्षा क्यों आवश्यक है। जीवन विज्ञान का वह हिस्सा है जो जीव तथा पर्यावरण के मध्य संबंधों को परिभाषित करता है। करोड़ों वर्ष पूर्व उन्हीं अवयवों, घटकों के आपसी संतुलन के परिणामस्वरूप, पृथ्वी पर जीवों का विकास हुआ। अतः यह बात स्वयं सिद्ध है कि प्रकृति में विभिन्न अवयवों और घटकों के मध्य संतुलन बने रहने पर ही जीवों का अस्तित्व निर्भर है।

➢ संबंधित साहित्य का अध्ययन :-

1. मर्सी एवं अर्जुन (2004):- "माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में पूर्व पर्यावरणीय व्यवहार एवं पर्यावरणीय ज्ञान का अध्ययन।" प्रस्तुत अध्ययन में माध्यमिक विद्यार्थियों में पूर्व पर्यावरणीय व्यवहार एवं पर्यावरणीय ज्ञान का अध्ययन किया गया। पूर्व पर्यावरणीय व्यवहार स्केल एवं पर्यावरणीय ज्ञान का परीक्षण के द्वारा 624 विद्यार्थियों के न्यायदर्श द्वारा दत्त संकलन किया गया। मध्यमान एवं पिर्यसन प्रोडक्ट मोमेन्ट की सांख्यिकीय प्रविधियों द्वारा ।
2. रॉय, चट्टोपाध्याय मण्डल एवं कुमार (2006):- "स्नातक स्तर के फार्मेसी विद्यार्थियों की पर्यावरणीय जागरूकता के प्रति अभिव्यक्ति का अध्ययन।"
3. उपाध्याय डा राधावल्लभ (2009) :-ने विद्यार्थियों का अध्ययन कर निष्कर्ष निकाला कि 2/3 छात्राएं वायु प्रदूषण को घातक मानती है।
4. चक्रवर्ती और राव (2011) :-ने कलकत्ता शहर में वायु प्रदूषण पर किए गए अपने अध्ययन से निष्कर्ष निकाला कि फेफड़ों में कैंसर का सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण है।
5. डॉ प्रार्थना एवं डॉ अर्चना पुरोहित (2015):- "सरकारी व निजी विद्यालय के विद्यार्थियों में पर्यावरणीय चेतना व पर्यावरणीय अभिवृत्ति का उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि संदर्भ में अध्ययन ।"

➢ अध्ययन का उद्देश्य:-

1. उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति का अध्ययन करना
2. उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं की पर्यावरणीय अभिवृत्ति का तुलनात्मक आंकलन करना ।

➢ **<u>शोध परिकल्पना:-</u>**

H_1 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति में सार्थक भिन्नता नहीं पायी जायेगी ।

$H_{1.1}$ उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति में सार्थक भिन्नता नहीं पायी जायेगी ।

$H_{1.2}$ उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओ पर्यावरणीय अभिवृत्ति में सार्थक भिन्नता नहीं पायी जायेगी ।

➢ **<u>प्रस्तुत शोध में प्रयुक्त विधि:-</u>**

प्रस्तुत शोध में शोधार्थी का उद्देश्य "उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति का अध्ययन करना है।" अतः शोध में अध्ययन की प्रकृति व उसकी वर्तमान परिस्थिति से संबंद्धता देखते हुए शोधार्थी द्वारा सर्वेक्षण विधि का चयन किया गया।

➢ <u>अध्ययन में प्रयुक्त न्यादर्श –</u>

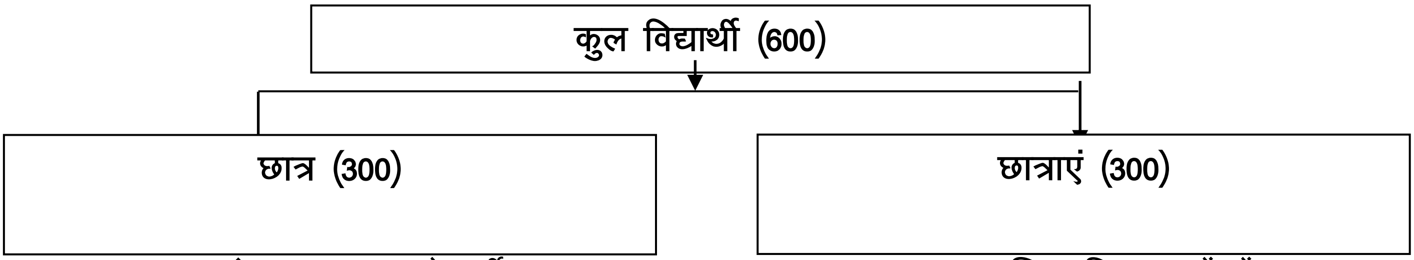

➢ **<u>अध्ययन के उपकरण:-</u>** शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत समस्या "उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति का अध्ययन करना है।" इस हेतु शोधार्थी द्वारा मानकीकृत उपकरणों का प्रयोग किया गया है।

➢ **<u>पर्यावरणीय अभिवृत्ति मापनी (मानकीकृत) (डॉ. हसीन ताज)</u>**

<u>एनवायरमेंट एटीट्यूड स्केल:</u>

इस अध्ययन में उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति का मापन डॉ. हसीन ताज द्वारा बनायी गयी प्रश्नावली द्वारा किया। इस मापनी में कुल 61 प्रश्न है जिनका निर्माण पांच आयामों 1. जनसंख्या विस्फोट, 2. स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, 3. प्रदूषक, 4. वन्य जीवन, 5. जंगल तथा 6. पर्यावरण की चिंता के आधार पर किया जाता है। जिसका विवरण मूल रुप से यहां दिया गया है।

- **स्कोरिंग:**

इसमें 51 कथनों में हर कथन पर प्रतिक्रियाओं का मापन 03 विकल्पों के आधार पर किया गया है। 03 विकल्प सहमत, तटस्थ, तथा असहमत हैं जिनके न्यूमेरिकल अंक कथन के सकारात्मक एवं नकारात्मक होने के आधार पर 02,01 एवं 00 marks प्रदान किये जाते हैं। प्रश्न क्रमांक 5,8,16,23,27,41,47 एवं 50 नकारात्मक कथन है। अतः इन पर स्कोरिंग 00,01 एवं 02 के आधार पर की जाती है। इस मापनी में न्यूनतम अंक 00 तथा अधिकतम अंक 102 हो सकते है। इसमें 61 कथनों में हर कथन पर प्रतिक्रियाओं का मापन 04 विकल्पों के आधार पर किया गया है। 04 विकल्प दृढ़तापूर्वक सहमत, असहमत, तथा दृढ़तापूर्वक् असहमत है निके न्यूमेरिकल अंक कथन के सकारात्मक एवं नकारात्मक होने के आधार पर 04,03,02 एवं 01 उंतो प्रदान किये जाते है। प्रश्न क्रमांक 5,8,16,23,27,41,47 एवं 50 नकारात्मक कथन है अतः इन पर स्कोरिंग 00,01 एवं 02 के आधार पर की जाती है। इस मापनी में न्यूनतम अंक 61 तथा अधिकतम अंक 644 हो सकते है।

- **नार्म्स/मानदंड:**

169 से अधिक अंक - उच्च स्तर की पर्यावरणीय अभिवृत्ति
115-168 के बीच अंक - मध्यम स्तर की पर्यावरणीय अभिवृत्ति
115 से कम अंक - निम्न स्तर की पर्यावरणीय अभिवृत्ति

तालिका क्रमांक 1

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों में पर्यावरणीय अभिवृत्ति का विश्लेषण

$\chi2$ (df=2) = 5.99 at .05 level and 9.21 at .01 level

पर्यावरणीय अभिवृत्ति	उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थी		
	संख्या	प्रतिशत	
उच्च स्तर (169 एवं उससे ज्यादा अंक)	316	52.7	$\chi2$ = 109.33 p<.01
मध्यम स्तर (115–168 अंक)	171	28.5	
निम्न स्तर (115 एवं उससे कम अंक)	113	18.8	
कुल	600	100.0	

तालिका 1 के अनुसार उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् 52.7% विद्यार्थियों में पर्यावरणीय अभिवृत्ति उच्च स्तर की है, उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् 28.5% विद्यार्थियों में पर्यावरणीय अभिवृत्ति मध्यम स्तर की है जबकि उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् 18.8% विद्यार्थियों में पर्यावरणीय अभिवृत्ति निम्न स्तर की है ।

तालिका क्रमांक 2

उच्चतर माध्यमिक विद्‌यालयों में अध्ययनरत् छात्रों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति का विश्लेषण

पर्यावरणीय अभिवृत्ति	उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्र		
	संख्या	प्रतिशत	
उच्च स्तर (169 एवं उससे ज्यादा अंक)	160	53.3	$\chi 2 = 54.08$ p<.01
मध्यम स्तर (115–168 अंक)	68	22.7	
निम्न स्तर (115 एवं उससे कम अंक)	72	24.0	
कुल	300	100.0	

$\chi 2$ (df=2) = 5.99 at .05 level and 9.21 at .01 level तालिका 2 के अनुसार उच्चतर माध्यमिक विद्‌यालयों में अध्ययनरत् 53.3% छात्रों में पर्यावरणीय अभिवृत्ति उच्च स्तर की है, उच्चतर माध्यमिक विद्‌यालयों में अध्ययनरत् 22.7% छात्रों में पर्यावरणीय अभिवृत्ति मध्यम स्तर की है जबकि उच्चतर माध्यमिक विद्‌यालयों में अध्ययनरत् 24% छात्रों में पर्यावरणीय अभिवृत्ति निम्न स्तर की है ।

तालिका क्रमांक 3

उच्चतर माध्यमिक विद्‌यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की पर्यावरणीय अभिवृत्ति का विश्लेषण

पर्यावरणीय अभिवृत्ति	उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं		
	संख्या	प्रतिशत	
उच्च स्तर (169 एवं उससे ज्यादा अंक)	156	52.0	$\chi 2 = 66.26$ p<.01
मध्यम स्तर (115–168 अंक)	103	34.3	
निम्न स्तर (115 एवं उससे कम अंक)	41	13.7	
कुल	300	100.0	

$\chi 2$ (df=2) = 5.99 at .05 level and 9.21 at .01 level

तालिका 3 के अनुसार उच्चतर माध्यमिक विद्‌यालयों में अध्ययनरत् 52% छात्राओं में पर्यावरणीय अभिवृत्ति उच्च स्तर की है, उच्चतर माध्यमिक विद्‌यालयों में अध्ययनरत् 34.3% छात्राओं में पर्यावरणीय अभिवृत्ति मध्यम स्तर की है जबकि उच्चतर माध्यमिक विद्‌यालयों में अध्ययनरत् 13.7% छात्राओं में पर्यावरणीय अभिवृत्ति निम्न स्तर की है ।

➢ **परिणाम:-**

- उच्चतर माध्यमिक विद्‌यालयों में अध्ययनरत् 52.7% विद्‌यार्थियों में पर्यावरणीय अभिवृत्ति उच्च स्तर की, 28.5% विद्‌यार्थियों में मध्यम स्तर तथा 18.8% विद्‌यार्थियों में पर्यावरणीय अभिवृत्ति

निम्न स्तर की है । $\chi 2$ (df=2) = 109.33 (p<.01) के अनुसार बहुसंख्यक उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के चयनित विद्यार्थियों में पर्यावरणीय अभिवृत्ति उच्च स्तर की है ।

- उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् 53.3% छात्रों में पर्यावरणीय अभिवृत्ति उच्च स्तर की है, उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् 22.7% छात्रों में पर्यावरणीय अभिवृत्ति मध्यम स्तर की है जबकि उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् 24% विद्यार्थियों में पर्यावरणीय अभिवृत्ति निम्न स्तर की है । $\chi 2$ (df=2) = 54.08 (p<.01) के अनुसार उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के बहुसंख्यक छात्रों में पर्यावरणीय अभिवृत्ति उच्च स्तर की है ।
- उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् 52% छात्राओं में पर्यावरणीय अभिवृत्ति उच्च स्तर की, 34.3% छात्राओं में मध्यम स्तर की तथा उच्चतर 13.7% छात्राओं में पर्यावरणीय अभिवृत्ति निम्न स्तर की है । $\chi 2$ (df=2) = 54.08 (p<.01) के अनुसार उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के बहुसंख्यक छात्राओं में पर्यावरणीय अभिवृत्ति उच्च स्तर की है ।

➢ **निष्कर्ष:-**

- उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बहुसंख्य विद्यार्थियों में पर्यावरणीय अभिवृत्ति उच्च स्तर की है
- लिंग का प्रभाव उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति पर नहीं पड़ता है।

REFERENCE

1) Bradley, J.C., Waliczek, T.M. and Zajicek, J.M. (1999). Relationship Between Environmental Knowledge and Environmental Attitude of High School Students. Journal of Environment Education, Vol. 30, Issue 3.
2) Meinhold, J.L. & Makus, A.J. (2005) Adolescents environmental behaviours : Can Knowledge, Attitude and Self efficacy make a difference? Environment and behavior, 37(4), 511-532.
3) Ghosh, K. (2014). Environmental Awareness among Secondary School Students of Golaghat District in the State of Assam and their attitude towards environmental education. IOSR Journal of Humanities and Social Science , 30-34.
4) Dhanya, C & Pankajam, R (2017). Environmental Awareness Among Secondary School Students. International Journal of Research – Granthaalayah, 5(5),22-26.
5) Arcury T. 1990, Environmental Attitude and Environmental Knowledge, Human Organization, 49(4), 300 - 304.

6) Severin, Sabrina, "A Study of Environmental Attitudes Between Rural and Urban Students" (2020). Environmental Studies Undergraduate Student Theses. 276. https://digitalcommons.unl.edu/envstudtheses/276
7) Bharti, Anita (2002). A Study of Relationship between Environmental Awareness and Scientific Attitude among Higher Secondary Students of Varanasi City. Banaras Hindu University, Varanasi.
8) Gupta, A. (1986). A Study of Attitude of Teachers towards Environmental Education, Nehru Memorial Junior College. Pune 1996 (S.I.E.M.-Maharashtra Financed).
9) Shahnawaj (1990). Environmental Awareness and Environmental Attitude of Secondary and Higher Secondary School Teachers and Students. University of Rajasthan.
10) Singh, Gulzar (1991). A Comparative Study of Attitude towards Population Education and Environmental Education and Family Planning of Different Levels of Workers in Specific Occupations. Unpublished doctoral thesis, Punjab University.